कार्यक्रम निर्देशिका

प्रारंभिक शिक्षकों हेतु व्यावसायिक विकास कार्यक्रम
(पी.डी.पी.ई.टी.)

शैक्षिक विभाग

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
A-24/25, सांस्थानिक क्षेत्र, सेक्टर–62, नोएडा,
गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र.–201309
वेबसाइट : **www.nios.ac.in**
विद्यार्थी सहायता केन्द्र टोल फ्री नं. **18001809363**
ईमेल : **lsc@nios.ac.in**

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
परिचय	1
कार्यक्रम के उद्देश्य	2
लक्ष्य समूह एवं पात्रता शर्तें	2
कार्यक्रम की अवधि	2
माध्यम	2
कार्यक्रम शुल्क	2
कार्यक्रम की संरचना	2
पाठ्यक्रम विवरण	3
पाठ्यचर्या संरचना	3
पाठ्यक्रम की तैयारी	16
क्रेडिट प्रणाली	16
सहायता प्रणाली	17
कार्यक्रम प्रस्तुती की रणनीतियाँ	17
स्व-अनुदेशन मुद्रित सामग्री	17
अध्ययन सत्र	17
प्रायोगात्मक कार्यों का आयोजन	19
पाठ्यक्रम आधारित दत्तकार्य	19
शिक्षार्थी का मूल्यांकन	23
ग्रेडिंग/अंकन एवं प्रमाणीकरण	30
परीक्षा में पुनः उपस्थिति	32
परिशिष्ट	
परीक्षा पंजीकरण फार्म	33
अंकों की पुनः जाँच के लिए आवेदन पत्र	34
अंकों की जाँच के लिए नियम	35
परीक्षा की उत्तर पुस्तिका की पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन पत्र	36
उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के नियम	37

अध्यक्ष का संदेश....

प्रिय साथी शिक्षकों,

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित प्रारंभिक शिक्षकों हेतु व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आप पहले ही शिक्षा स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम पूरा कर चुके हैं तथा आपको कई वर्षों का शिक्षण अनुभव भी है। परन्तु यह भी सत्य है कि विभिन्न आयु स्तर तथा विविध सामाजिक समूहों के बच्चों को एक जैसे तरीकों से नहीं सिखाया जा सकता है। शिक्षा स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम किशोरावस्था के बच्चों, सामान्यतया: कक्षा 9 से 12 तक, प्रभावी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को संपादित करने हेतु शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षा स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम पूरा करने के बावजूद भी आपमें 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को प्रभावी रूप से शिक्षण अधिगम हेतु आवश्यक कौशल एवं दक्षताएं नहीं होती हैं। यह पाठ्यक्रम सेवारत शिक्षकों में 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के स्तर पर शिक्षण हेतु आवश्यक समझ के विकास में सहायक होगा।

बच्चा लगभग 6 वर्ष की आयु में विद्यालय आता है। वह पहली बार घर के सुखद अनुभवों एवं आराम को छोड़कर बाहर निकलता है तथा अपनी आयु वर्ग के बहुत से बच्चों के साथ रहना शुरु करता है। कभी-कभी कक्षा में बच्चों की संख्या अधिक होने के कारण शिक्षक बच्चों की पूरी देखरेख नहीं कर पाते हैं जितना कि उनके अभिभावक करते हैं। इस कारण से बच्चे अपने आपको अकेला तथा उपेक्षित महसूस करते हैं। पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी अपने घर की भाषा तथा विद्यालय की भाषा में अन्तर अनुभव करते हैं तथा हताश हो जाते हैं क्योंकि वे विद्यालय में सम्प्रेषण के दौरान मानक भाषा का उपयोग नहीं कर पाते हैं। सभी बच्चों का बुद्धि स्तर लगभग समान होता है। यदि उन्हें समान अवसर प्रदान किये जाए तो उनमें समान रूप में प्रदर्शन करने की क्षमता होती है। हमारे लिए इन सब मुद्दों को ध्यान में रखना आवश्यक है और अच्छे प्रदर्शन एवं उनकी योग्यताओं को निखारने हेतु उत्प्रेरक की भूमिका निर्वहन करनी चाहिए।

इससे अलग अन्य और भी कई मुद्दे हैं जिन्हें शिक्षकों को समझना है तथा उस समझ को आधार बनाकर शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सम्पादित करना आवश्यक है। सर्वांगीण विकास संकाय के विकास पर निर्भर करता है। हमें बाल विकास के बारे में अवश्य सीखना चाहिए तथा सभी बच्चों को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने चाहिए।

इक्कीसवीं सदी में कार्य करने एवं आगे बढ़ने वालों के लिए अधिगम एक सत्रांत गतिविधि नहीं हो सकती। यह शिक्षकों के मामले में और भी अधिक सटीक एवं सत्य है। यदि हम सीखना बंद कर देते हैं तो हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में योगदान नहीं दे सकते। हमें अपने विषयी ज्ञान में होने वाले विकास एवं प्रगति की जानकारी रखनी चाहिए और शिक्षक होने के नाते नई शिक्षण विधाओं को जानना भी आवश्यक है। सेवारत होने के कारण आपको अपने ज्ञान को अद्यतन रखने तथा कौशलों को निखारने हेतु पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में मुखाभिमुख रूप से हिस्सा नहीं ले सकते हैं। ऐसी स्थिति में व्यवहार रूप में दूरस्थ शिक्षा ही एकमात्र विकल्प होता है। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान से दूरस्थ माध्यम से अपनी शिक्षा के उन्नयन एवं जारी रखने हेतु आप बधाई के पात्र हैं।

यह पाठ्यक्रम विद्यालयी गतिविधियों में आवश्यक विविध नये क्षेत्रों का समावेशन है। 'योग शिक्षा' पर इकाइयाँ एक नया एवं अनूठा प्रयास है। इन इकाइयों का पठन तथा वीडियो देखते हुए बच्चों के साथ अभ्यास रोचक होगा। मुझे विश्वास है कि इन कौशलों के विकास एवं उनके उपयोग से तथा सीखने की दर में आप सकारात्मक अन्तर महसूस करेंगे।

मैं, पुन: एक बार फिर इस पाठ्यक्रम में आपका स्वागत करता हूँ और दूरस्थ माध्यम से अपनी शिक्षा जारी रखने हेतु बधाई देता हूँ क्योंकि यह अपने आपको अद्यतन रखने हेतु इक्कीसवीं सदी में जीवन भर सीखने का सर्वोत्तम तरीका है।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान में आपका स्वागत है.....

आचार्य चन्द्र भूषण शर्मा

परिचय

देश के सभी बच्चों को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण विद्यालयी शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में हाल ही के वर्षों में कुछ महत्त्वपूर्ण पहल हुई हैं। इनमें से सर्वाधिक ध्यान देने योग्य है शिक्षा का अधिकार कानून 2009 (RTE Act 2009) जो 6–14 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए शिक्षा को एक मौलिक अधिकार बनाता है। एक अन्य ध्यान देने योग्य पहल है राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 (NCF 2005) जिसमें परंपरागत विद्यालयी शिक्षा पाठ्यक्रम के प्रचलित दर्शन में मूलभूत सुधारों को चिह्नित किया है। परंपरागत शिक्षा में शिक्षार्थियों को शिक्षकों द्वारा प्रदान की जाने वाली सूचनाओं का निष्क्रिय ग्रहणकर्ता माना जाता था तथा शिक्षार्थी को उसकी अपनी सृजनात्मकता दिखाने के लिए बहुत कम अवसर के साथ–साथ रटने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देता था। NCF 2005 ने ज्ञान को विद्यालयी के बाहर के जीवन से जोड़ते हुए सुनिश्चित किया है कि सीखना रटने की प्रक्रिया नहीं हो। पाठ्यचर्या को समृद्ध किया है ताकि यह पाठ्यपुस्तकों से हटकर हो, परीक्षा को कक्षाकक्ष जीवन से जोड़कर नमनीय बनाया है, देश के प्रजातांत्रिक राजनीति के अंतर्गत संबद्ध सरोकरों से सूचित एक अभिभावी पहचान को पोषित किया है। विद्यालय पाठ्यचर्या पर NCF 2005 के दृष्टिकोण को स्वीकार करते हुए, जो परंपरागत पाठ्यपुस्तकों से परे है, जहाँ ज्ञान शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों द्वारा साथ–साथ सृजित किया जाता है और विद्यालय शिक्षा की वर्तमान प्रकृति में विद्यार्थी हेतु चुनौती है जो बिना कोई प्रश्न किये शिक्षकों के दृष्टिकोण को स्वीकारने वाले निष्क्रिय शिक्षार्थियों को बढ़ावा देना है। 12वीं पंचवर्षीय योजना ने कक्षाकक्ष में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण अधिगम के सरोकारों को बताया है जो न तो बच्चों के लिए उपयुक्त है और न ही बच्चों पर केंद्रित। इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। उभरते परिदृश्य में शिक्षकों को नये ज्ञान और कौशलों को अर्जित करने और उनका सतत विकास करने को कहा जाता है। शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने पूर्वज्ञान को आधार बनाते हुए नये अभ्यासों को पुनः सीखें। विद्यार्थी का सुसाधक बनकर उनकी सहायता करें। सतत आधार पर शिक्षकों का व्यावसायिक विकास परंपरागत एवं दूरस्थ माध्यम दोनों का ही उपयोग करता है। अतः एक मात्र तरीका है शिक्षकों को आवश्यक अनुकूलन प्रदान करना एवं विभिन्न कौशलों एवं गतिविधियों को प्रदर्शित करना जिनका प्रभाव गुणवत्तापूर्ण कक्षाकक्ष संप्रेषणों पर पड़ता है। वर्तमान में दूरस्थ के साथ व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रमों में दी जाने वाली आधुनिक पाठ्यक्रमों की ओर बल दिया जा रहा है जो विद्यालय आवश्यकता के आधार पर शिक्षा से संबद्ध सरोकारों और उभरते मुद्दों पर उनकी जागरूकता को निखारता है और उनके दैनिक जीवन को बिना बाधित किये शिक्षण–शास्त्रीय कौशलों एवं उनके विषय को आधुनिक एवं उन्नतिशील बनाता है।

यह कार्यक्रम प्रारंभिक स्तर पर कार्यरत अंतःसेवी शिक्षकों की विशिष्ट जरूरतों एवं आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए आवश्यकता पर आधारित कार्यक्रम है। कार्यक्रम की सार्थकता सुनिश्चित करने के क्रम में प्रारंभिक स्तर पर कार्यरत अंतःसेवी शिक्षकों के प्रशिक्षण के आकलन की जरूरतों को पूर्ण किया जा चुका है। स्व अधिगम मुद्रित सामग्रियों, दत्तकार्यों, कक्षाकक्ष में प्रायोगिक क्रियाकलापों, ICT के विविध प्रकारों के माध्यम से व्यक्तिगत अंतःक्रियात्मक संपर्क कार्यक्रम, श्रव्य–दृश्य सामग्रियों, रेडियो और टेलीकांफ्रेंसिंग आदि को जोड़ते हुए इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है प्रारंभिक स्तर पर कार्यरत अंतःसेवी शिक्षकों को प्रारंभिक शिक्षा के सरोकारों एवं उभरते मुद्दों पर उनकी क्षमता को व्यावसायिक रूप से विकसित कर अनुकूल बनाना और उनके विषय ज्ञान को समृद्ध करना तथा शिक्षण अधिगम–प्रक्रिया को अनुभवों एवं शिक्षार्थी की जरूरतों पर व्यवस्थित करने के लिए उनके शिक्षण–शास्त्रीय कौशलों को समृद्ध करना, शिक्षार्थी केन्द्रित प्रेषणात्मक उपागमों को सुनिश्चित करना और बच्चों के अनुकूल आकलन प्रक्रिया को सुसाध्य करना। कार्यक्रम के लिए विकसित सभी सामग्री स्व–निर्देशात्मक एवं कक्षाकक्ष स्थितियों से पर्याप्त उदाहरणों को शामिल करते हुए प्रकृति में अंतःक्रियात्मक, विवरणात्मक, केस अध्ययन और उदाहरण हैं। जहाँ भी संभव है अतिरिक्त अध्ययन के लिए वेब लिंक भी प्रदान किये गए हैं।

कार्यक्रम के उद्देश्य

कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं :–

(i) प्रारंभिक विद्यालयी शिक्षकों को तात्कालिक मुद्दों और प्रारंभिक शिक्षा के मामलों के प्रति जागरूक बनाना।

(ii) शिक्षा का अधिकार कानून 2009 को लागू करने में आने वाली चुनौतियों का सामना करने हेतु शिक्षकों को तैयार करना।

(iii) शिक्षार्थियों के भिन्न समूहों की जरूरतों को पूर्ण करने हेतु शिक्षकों के कौशल को विकसित करना।

(iv) बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण एवं बाल केन्द्रित शिक्षण अधिगम उपागमों एवं रणनीतियों का अनुकरण करने हेतु शिक्षकों की क्षमता को विकसित करना।

(v) प्रारंभिक स्तर पर शिक्षकों की विविध विषयों की अवधारणात्मक समझ को समृद्ध करना।

(vi) प्रारंभिक स्तर पर सतत् एवं समग्र मूल्यांकन को प्रभावी तरीके से लागू करने हेतु शिक्षकों को तैयार करना।

लक्ष्य समूह एवं पात्रता शर्तें

एनसीटीई से मान्यता प्राप्त संस्थान द्वारा बी.एड./बी.एड. (विशेष शिक्षा) की उपाधि प्राप्त सेवारत प्राथमिक विद्यालयी (1–5) शिक्षक।

कार्यक्रम की अवधि

कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि 6 माह निर्धारित है जबकि कार्यक्रम को पूर्ण करने की अधिकतम स्वीकृत अवधि 31 मार्च 2019 है।

माध्यम

अंग्रेजी/हिन्दी

कार्यक्रम शुल्क

कार्यक्रम को एक स्व–समर्थित कार्यक्रम के रूप में रखा गया है। कार्यक्रम का शुल्क रु. 5000/ प्रति शिक्षक होगा। प्रत्येक प्रयास में प्रत्येक विषय हेतु परीक्षा शुल्क रु. 250/ है।

कार्यक्रम की संरचना

यह कार्यक्रम प्रारंभिक शिक्षा के मामलों और उभरते मुद्दों पर प्रारंभिक विद्यालय शिक्षकों को सैद्धान्तिक अनुकलन प्रदान करने वाले पाठ्यक्रमों का एक न्यायसंगत मिश्रण है और प्रारंभिक स्तरीय शिक्षण से संबद्ध उनके कौशलों को विकसित करता है। विद्यालय आधारित, कार्यशाला आधारित गतिविधियां तथा शिक्षण अभ्यास इस कार्यक्रम के अभिन्न घटक हैं जो शिक्षकों को करके सीखने हेतु पर्याप्त अनुभव देने का अवसर प्रदान करेगा।

पाठ्यक्रम विवरण

प्रारंभिक शिक्षकों की कार्य आवश्यकताओं और कार्यक्रम के विस्तृत उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विषयों को चिह्नित किया गया है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम अनिवार्य हैं।

विषय कोड	विषय का शीर्षक	क्रेडिट
	सैद्धान्तिक विषय	
521	प्रारंभिक शिक्षाः संदर्भ, सरोकार और चुनौतियाँ	2
522	प्रारंभिक विद्यालयी बच्चों की समझ	2
523	पाठ्यचर्या और शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया	2
524	प्रारंभिक विद्यालयी विषयों का शिक्षण–शास्त्र	4
	प्रयोगात्मक गतिविधियाँ	
525	विद्यालय आधारित गतिविधियाँ (SBA)	2
526	कार्यशाला आधारित गतिविधियाँ (WBA)	2
527	शिक्षण अभ्यास (PT)	2
	कुल क्रेडिट	16

पाठ्यचर्या संरचना

कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	खण्ड का शीर्षक	इकाई का शीर्षक	क्रेडिट
521	**प्रारंभिक शिक्षा संदर्भ, सरोकार और चुनौतियाँ**	**खण्ड–1 संदर्भ और प्रारंभिक शिक्षा का महत्त्व**	**इकाई–1 : भारत में प्रारंभिक शिक्षा का परिदृश्य** • प्राचीन भारत में प्रारंभिक शिक्षा प्रणाली • स्वतंत्रता के पश्चात् और औपनिवेशिक युग में प्रारंभिक शिक्षा का विकास। • आधारभूत शिक्षा : नई तालीम • शिक्षा हेतु संवैधानिक प्रावधान • प्रारंभिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण (नई शिक्षा नीति 1968, 1986 पर फोकस और महत्त्वपूर्ण पहल जैसे– DPEP, SSA, EFA, KGBV, छात्रवृत्ति योजना, मध्याह्न भोजन आदि) **इकाई–2: प्रारंभिक शिक्षा में समकलीन सरोकार** • भारत में एक अधिकार के रूप में	**2**

			शिक्षा की उत्पत्तिः तिलक, विवेकानन्द, मालवीय, गाँधी, टैगोर और अन्य भारतीय शैक्षिक चिंतकों के दृष्टिकोण। • शिक्षा का अधिकार कानून 2009 (अपेक्षाएं एवं चुनौतियाँ) • राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखाः प्रारंभिक शिक्षा में मुद्दों और सरोकारों पर एक आलोचनात्मक समझ। • राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2000 के बीच अंतर। • राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के सरोकारों की समझ और क्रियान्वयन • NCFTE 2009, प्रारंभिक शिक्षा पर इसके निहितार्थ। **इकाई–3: भारत में प्रारंभिक शिक्षा की प्रगति** • प्रारंभिक शिक्षा : प्रचलन • भारत में प्रारंभिक शिक्षा की वर्तमान स्थिति • भारत में प्रारंभिक शिक्षा स्तर पर योजनाएँ और हस्तक्षेप • भारत में प्रारंभिक शिक्षा में चुनौतियाँ	
		खण्ड–2: प्रारंभिक शिक्षा में चुनौतियाँ	**इकाई–4: शिक्षक एक पेशेवर के रूप में** • शिक्षक और शिक्षण की भारतीय समझ • गुरु के रूप में शिक्षक • शिक्षकों की उभरती भूमिका – सुसाधक – व्यवस्थापक – शोधकर्ता–एक क्रियात्मक शोधकर्ता के रूप में – नेता–रूपान्तरात्मक नेतृत्व – साझा शासन – चिंतनशील अभ्यासकर्ता के रूप में शिक्षक	

			• पेशेवर विकास (दक्षता, वचन बद्धता, निष्पादन) • शिक्षण के पेशे में नैतिक सरोकार, पेशेवर नैतिकता एवं आचरण। **इकाई–5 प्रारंभिक शिक्षा में गुणवत्ता** • गुणवत्ता एक केन्द्रिक सरोकार के रूप में • गुणवत्ता के सूचक, शिक्षा में गुणवत्ता के भारतीय आयाम • गुणवत्ता की सुनिश्चितता (कक्षाकक्ष एवं विद्यालय) • संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन • गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में शिक्षक की भूमिका। **इकाई–6: शिक्षार्थियों का समग्र विकास** • नैतिक और आध्यात्मिक विकास • मूल्यों में कमी और मूल्यों में परिवर्तन • विकास की जरूरत • मूल्यों की पहचान और सांस्कृतिक आयाम, विकास में सांस्कृतिक, धार्मिक और राष्ट्रवादी मूल्यों पर फोकस। • मूल्यों को आत्मसात करने हेतु उपागम– – पाठ्यचर्या संबंधी – सह–पाठ्यचर्या संबंधी • लैंगिक संवेदनशीलता • मूल्यों को आत्मसात करने हेतु पाठ्यचर्या और इसका प्रस्तुतीकरण • मूल्यों को आत्मसात करने हेतु पाठ्यचर्या की प्रस्तुती।	
522	**प्रारंभिक विद्यालयी बच्चों की समझ**	**खण्ड–1: बच्चा और बचपन: सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ**	**इकाई–1: बच्चा और बचपन की समझ** • विकास के प्रारंभिक–चरण • बचपन की संकल्पना • पारंपरिक भारतीय संदर्भ में बच्चे • बचपन की विभिन्न समस्याएं एवं परिदृश्य:– – मनोवैज्ञानिक	2

			– सामाजिक सांस्कृतिक (सीमान्तीय, लैंगिक परिदृश्य, प्रथम पीढ़ी, अशक्तता आदि) – वैधानिक – परिवार, पड़ोस, विद्यालय और शिक्षक की भूमिका **इकाई–2 बचपन से किशोरावस्था में परिवर्तन** • विकासात्मक परिवर्तन • संज्ञानात्मक, संवेदनात्मक एवं सामाजिक विकास • किशोरावस्था की समस्याएं • किशोरावस्था की अभिलाषाएं एवं आवश्यकताएं (व्यावसायिक, लैंगिक, निजी, मनोरंजन एवं स्वास्थ्य संबंधी) • विकासात्मक कार्य एवं शिक्षक की भूमिका **इकाई–3: बाल अधिकार** • बाल अधिकार के भारतीय परिदृश्य • बाल अधिकार, बाल अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र संघ का सम्मेलन–1989 • बाल संरक्षणः बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, बच्चों का व्यापार • बाल अधिकारों का संरक्षणः NCPCR, SCPCR की भूमिका, बाल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में शिकायतों का समाधान	
		खण्ड–2: अधिगम को सुसाध्य बनाना	**इकाई–4 बच्चे कैसे सीखते हैं?** • अधिगम प्रक्रिया की प्राचीन भारतीय समझ • संज्ञानात्मक विकास के चरण और अधिगम • वैयक्तिक रूप से अधिगम, स्व–अधिगम, मुक्त अधिगम और ज्ञान की संरचना। • अधिगम के धार्मिक, सांस्कृतिक, और सामाजिक आयाम	

			• बच्चों के सामाजिक आर्थिक संदर्भों में अधिगम की सुसाध्यता – घर पर अधिगम – समुदाय से अधिगम – विद्यालय परिवेश में अधिगम – प्रकृति से अधिगम **इकाई–5: बचपन के सरोकार** • स्वास्थ्य एवं सफाई • सामाजिक संवेदनात्मक समस्याओं से सरोकार • विद्यालय, परिवार एवं मीडिया की भूमिका **इकाई–6: प्रेरक अधिगम वातावरण का सृजन करना** • प्रेरक अधिगम वातावरण के मुख्य लक्षण • भारतीय परिप्रेक्ष्य में अधिगम वातावरण • समावेशी कक्षाकक्ष वातावरण • शिक्षकों एवं सभी शैक्षणिक प्रशासकों की भूमिका • पाठ्यचर्या का विकास एवं मूल्यांकन	
523	**पाठ्यचर्या एवं शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया**	**खण्ड–1: अधिगम अनुभवों का संवर्द्धन**	**इकाई–1: मूल्यांकन के लिए पाठ्यचर्या का विकास** • पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, विषय और पाठ्य पुस्तकें • पाठ्यचर्या के विकास एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया • पाठ्यचर्या एवं पाठ्यपुस्तकों का विवेचनात्मक परीक्षण **इकाई–2: शिक्षण–शास्त्र में बदलाव** • रचनावादी उपागम • भारतीय दार्शनिक उपगमों एवं रचनावादी उपागमों में समानताएं • निष्क्रिय अधिगम से सक्रिय अधिगम तक • शिक्षण से अधिगम तक	2

			• शिक्षक से अधिगमकर्ता तक • आकलन से मूल्यांकन तक • पुस्तकीय से वातावरण केन्द्रित • सहकारी से सहयोगी तक • अनुशासनात्मक (विषयात्मक) से एकीकृत अधिगम तक • विषयोन्मुख से जीवनोन्मुख तक • ICT और मीडिया पर फोकस **इकाई–3: समकालीन कक्षाकक्ष में अधिगम अनुभवों का आरेखण** • योजना हेतु उपकरण के रूप से संकल्पना चित्रण • अधिगम अनुभवों का आरेखण • विकासशील संसाधनों को पहचानना एवं प्राप्त करना • अधिगम परिणामों की पहचान करना (एंडरसन वर्गीकरण का उपयोग कर) • शिक्षण की योजना • रचनावादी अधिगम का 5E मॉडल। **इकाई–4: समावेशी कक्षाकक्ष का प्रबंधन** • समावेशी शिक्षा की संकल्पना • समावेशी कक्षाकक्ष • समावेशी कक्षाकक्ष की जरूरतों की पहचान करना • अधिगम अनुभवों का आरेखण (अधिगम का सार्वभौमिक आरेख) • समावेशी संरचना में आकलन **इकाई–5: शिक्षण–अधिगम का आकलन** • अधिगम में, अधिगम का, अधिगम के लिए आकलन के बीच अंतर • अधिगम प्रक्रिया के अनिवार्य अंग के रूप में आकलनः पारंपरिक भारतीय उपागम बनाम आधुनिक उपागम • CCE का एक संक्षिप्त परिचय • CCE का कार्यान्वयन	

			• सक्रिय अधिगम का आकलन करने हेतु उपकरणों एवं तकनीकों का उपयोग (पोर्टफोलियो, रूब्रिक्स पर फोकस) **इकाई–6: ICT द्वारा मध्यस्थ शिक्षण–अधिगम** • उपयुक्त ICT का चयन • शिक्षण–अधिगम और योजना के लिए इंटरनेट तकनीक का उपयोग • अधिगम का सृजन करने एवं साझा करने के लिए मोबाइल का उपयोग • विद्यालय के प्रबंधन के लिए ICT	
		खण्ड–2: समग्र जीवन का संवर्द्धन	**इकाई–7: समुदाय, एक अधिगम संसाधन के रूप में** • एक अधिगम संसाधन के रूप में परिवार और मित्र • अधिगम संसाधन के रूप में समुदाय के सदस्य (डॉक्टर, शिल्पकार, किसान आदि) • समुदाय के संसाधन (चिड़ियाघर, धार्मिक केन्द्र, म्यूजियम, कृषि फार्म, तालाब, मेले आदि) • धर्म और धार्मिक विषय • सांस्कृतिक विषय (मेला, त्योहार और अन्य अवसर) **इकाई–8: एक शिक्षण–शास्त्रीय संसाधन के रूप में कला** • कला एवं कलाशास्त्र (सौंदर्यशास्त्र): प्रारंभिक विद्यालयी शिक्षण के वैयक्तिक विकास में इसकी सार्थकता • विविध कला रूपों का उपयोग (नृत्य, लोकगीत, संगीत, थियेटर, कठपुतली एवं अन्य रूप) • बच्चों के कला की सराहना • सृजनात्मक अभिव्यक्तियों का पोषण कला के माध्यम से करना • कलात्मक अभिव्यक्तियों का मूल्यांकन **इकाई–9: विद्यालयों में स्वास्थ्य एवं सफाई को प्रोन्नत करना (योग, खेल एवं शारीरिक शिक्षा)**	

			• समग्र स्वास्थ्य की संकल्पना एवं स्वस्थता • बच्चों के स्वास्थ्य एवं सफाई की जरूरतें • स्वस्थ आदतों को विकसित करना • बच्चों के विकास एवं स्वास्थ्य को प्रोन्नत करने में खेल–कूद की भूमिका • समग्र स्वास्थ्य को प्रोन्नत करने हेतु योगाभ्यास • स्वस्थ आदतों को प्रोन्नत करने में विद्यालय एवं शिक्षकों की भूमिका	
		खण्ड–3: विद्यालयों में योग शिक्षा	**इकाई–10: विद्यालयी बच्चों के लिए योग की भूमिका एवं महत्व** • समग्र स्वास्थ्य की योगिक अवधारणा • योग की भूमिका • विद्यालयों में योग का महत्व **इकाई–11: योगाभ्यास एवं विद्यालयी बच्चों के लिए इसका अनुप्रयोग** • आयु वर्ग 8 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए योगाभ्यास • छोटे बच्चों के लिए मजे–मजे में योग • योग तकनीकों का कक्षाकक्ष अनुप्रयोग	
524	**विद्यालयी विषयों का शिक्षण–शास्त्र**	**खण्ड–1: भाषाओं का शिक्षण–शास्त्र**	**इकाई–1:** भाषा एवं संप्रेषण, शैशवावस्था एवं बचपन के दौरान उनका विकास और भाषा कौशल **इकाई–2:** भाषा के शिक्षण–अधिगम में उपागम, विधियां एवं तकनीकें **इकाई–3:** भाषा शिक्षण–अधिगम के अनुपूरक संसाधन **इकाई–4:** भाषा अधिगम का आकलन	4
		खण्ड–2 पर्यावरण अध्ययन का शिक्षण–शास्त्र	**इकाई–5:** अधिगम के प्रारंभिक स्तरों पर पर्यावरण का महत्त्व, प्रारंभिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन का उद्देश्य एवं क्षेत्र **इकाई–6:** पर्यावरण विज्ञान में शिक्षण–अधिगम **इकाई–7:** पर्यावरण अध्ययन के अधिगम के अनुपूरक संसाधन	

			इकाई–8: पर्यावरण अध्ययन में अधिगम का आकलन करने हेतु उपकरण एवं तकनीकें	
		खण्ड–3 गणित का शिक्षण–शास्त्र	**इकाई–9: गणित शिक्षण के विविध पहलू** • गणित शिक्षण के लक्ष्य एवं उद्देश्य • गणित का महत्व • गणित की प्रकृति • वैदिक गणित **इकाई–10: गणित की शिक्षण अधिगम प्रक्रिया** • बच्चे गणित कैसे सीखते हैं • शिक्षार्थी एवं गणित शिक्षण में अधिगम केन्द्रित विधियां **इकाई–11: शिक्षण अधिगम सामग्री तथा गणित अधिगम में अन्य संसाधन** • शिक्षण अधिगम सामग्री • पाठ्य पुस्तक • विद्यालय भवन • गणित प्रयोगशाला/कोना **इकाई–12: गणित अधिगम में आकलन** • परम्परागत एवं नवीन उपागम • गणित आकलन में नवीन उपागम • आकलन के उपकरण एवं तकनीक • गणित अधिगम में आकलन का अनुवर्तन • आकलन के द्वारा सूचना	
		खण्ड–4: विज्ञान का शिक्षण–शास्त्र	**इकाई–13:** विज्ञान की प्रकृति **इकाई–14:** विज्ञान शिक्षण के विभिन्न उपागम एवं विधियाँ **इकाई–15:** कम लागत या बिना लागत वाले शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग **इकाई–16:** विज्ञान के अधिगम का आकलन	

		खण्ड–5: सामाजिक अध्ययन/विज्ञान का शिक्षण–शास्त्र	**इकाई–17:** प्रारंभिक विद्यालयी पाठ्यचर्या में सामाजिक अध्ययन की प्रकृति **इकाई–18:** सामाजिक अध्ययन शिक्षण के अनुपूरक संसाधन **इकाई–19:** सामाजिक अध्ययन की शिक्षण अधिगम रणनीतियाँ **इकाई–20:** सामाजिक अध्ययन का आकलन	
		प्रायोगिक कार्य		
525	**विद्यालय आधारित गतिविधियां** (SBA) विद्यालय आधारित गतिविधियों (SBA) के चार समूह हैं। समूह A, B तथा C प्रत्येक से एक–एक गतिविधि का चयन करना है। समूह D से कुल चार गतिविधियों का चयन करना है जिसमें से उपसमूह (i) तथा (iii) से एक–एक गतिविधि तथा उपसमूह (ii) से दो गतिविधियों का चयन करना है। इस प्रकार चारों समूहों से कुल सात गतिविधियाँ पूरी की जानी आवश्यक हैं। विद्यालय आधारित गतिविधियों की रिपोर्ट कार्यशाला के दौरान ही जमा की जाएगी जिनका मूल्यांकन किया जाएगा और तदनुसार अंक/ग्रेड दिए जायेंगे। समूह A, B तथा C से चयनित गतिविधियों हेतु कुल 60 अंक (3x20) निर्धारित हैं तथा समूह D से चयनित गतिविधियों हेतु कुल 40 अंक (4x10) निर्धारित हैं। इस प्रकार विद्यालय आधारित गतिविधियों हेतु कुल 100 अंक निर्धारित हैं। **समूह–A** **(इस समूह से केवल एक गतिविधि का चयन करना है।)** • शिक्षा का अधिकार कानून 2009 का विवेचनात्मक परीक्षण अपने विद्यालय परिदृश्य में शिक्षकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्वों के संदर्भ में करें। • राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के दिशा निर्देशक सिद्धांतों पर मार्गदर्शक की उपस्थिति में एक समूह परिचर्चा का आयोजन करें और परिचर्चा के दौरान मुख्य बिन्दुओं पर एक रिपोर्ट तैयार करें। • नामांकन, पहुँच, धारण और विद्यालय बीच में छोड़ने तथा विद्यालय बीच में छोड़ने को जाँचने के लिए उठाये गए कदमों के संदर्भ में अपने क्लस्टर में प्रारंभिक शिक्षा की स्थिति पर एक रिपोर्ट तैयार करें। • अपने विद्यालय में लागू आचार संहिता को पढ़ें और अनुकूल विद्यालय वातावरण बनाने में इसकी भूमिका का विश्लेषण करें। • विभिन्न स्रोतों (लोककथा/पंचतंत्र/जातक कथा/स्वतंत्रता संघर्ष, और देशभक्ति की कहानियाँ, पाठ्यपुस्तक आदि) से कम–से–कम दो कहानियाँ एकत्र करें और उन मूल्यों की पहचान करें जो कहानियों के माध्यम से विकसित होते हैं। **समूह–B** **(इस समूह से केवल एक गतिविधि का चयन करना है।)** • बाल अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित समाचार पत्रों से 20 कतरन इकट्ठा करें,		**2**

बच्चों के अधिकारों से संबंधित जागरूकता उत्पन्न करने के लिए उपाय सुझाएं और सारांश प्रस्तुत करें।

- विद्यालय में एक खेल का आयोजन करें और खेल के दौरान बच्चों का निरीक्षण करें और विश्लेषण करें कि कैसे यह उनके भावात्मक और संज्ञानात्मक विकास को प्रभावित करता है।
- अपने पड़ोस के एक बच्चे का केस प्रोफाइल तैयार करें।
- बच्चों के बातचीत का चित्रण करें जो वे अपने साथियों के साथ करते हैं।
- अपने विद्यालय में बच्चों के बीच व्यवहारात्मक मुद्दों/समस्याओं को चिह्नित करें।

समूह–C

(इस समूह से केवल एक गतिविधि का चयन करना है।)

- बहुस्तरीय कक्षाकक्ष में शिक्षण का आयोजन करें और चुनौतियों को चिह्नित करें तथा इस परिस्थिति में उन पर विजय प्राप्त करने के तरीके चिह्नित करें।
- कुछ दृष्टांतों को पहचानें जो उनके समुदाय में लैंगिक भेदभाव को प्रदर्शित करता है और इस प्रकार के लैंगिक भेदभावों को दूर करने के उपाय सुझाएं।
- पाँच मिनट के दृश्य/श्रवण सामग्री को तैयार करने के लिए अपने मोबाइल फोन का उपयोग करें और उसका उपयोग अपनी कक्षाकक्ष में एक शिक्षण सामग्री के रूप में करें और इस पर एक रिपोर्ट तैयार करें।
- अपने विद्यालय एवं कक्षाकक्ष परिसर में स्वच्छता बनाये रखने के लिए आप क्या कदम उठायेंगे, पहचानें और परिसर को सुंदर बनाने के लिए अपने बच्चों के कला के कार्य का प्रयोग करें।
- स्थानीय स्तर पर उपलब्ध भोजन, फल और सब्जियों की पहचान करें तथा उनके पोषक मूल्यों को चिह्नित करें।

समूह–D

(इस समूह के उपसमूहों (i) & (iii) से एक–एक तथा उपसमूह (ii) से दो गतिविधियों का चयन करना है।

(i)
- अव्यवस्थित शब्दों वाले पाँच खेलों को तैयार करें।
- फ्लैश कार्डों का एक समूह तैयार करें और व्याख्या करें कि कैसे आप कक्षाकक्ष में इसका उपयोग करने की योजना बना रहे हैं:
- एक भाषा के खेल का आयोजन करें।
- चित्र पठन कार्यविधि का आयोजन करें।
- बच्चों द्वारा संवाद प्रस्तुती की अभिव्यक्तियों पर केंद्रित एक नाटक का आयोजन करें।
- शब्द मानचित्र एवं शब्द श्रृंखला

(ii)
- एक प्राथमिक उपचार किट तैयार करें।
- अपने परिवेश में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों एवं शिक्षण अधिगम में उनके उपयोग की सूची बनायें।
- अपने परिवेश में प्रदूषण के कारणों को पहचानें एवं इसके समाधान के उपाय बतायें।

	• अपने समुदाय में प्रचलित सामान्य अंधविश्वासों को पहचानें और उनके उन्मूलन के उपाय सुझाएं। • पर्यावरण अध्ययन /विज्ञान में अपनी पसंद के किसी विषय पर एक संकल्पना मान–चित्रण विकसित करें। • अपने परिवेश के महत्त्वपूर्ण स्थलों को चिह्नित करते हुए एक निर्देशक मानचित्र तैयार करें। • अपने राज्य या भारत में विविधता से संबंधित तस्वीरों को एकत्र करें और एक कोलाज तैयार करें। • नदी, नहर, तालाब, कृषि की फसलें, बागवानी, पुष्प कृषि जैसी अपने क्षेत्रीय संसाधनों का एक मानचित्र विकसित करें। • स्वतंत्रता संग्राम में अपने राज्य की महिलाओं के योगदानों का दस्तावेज तैयार करें। (iii) • आकृतियों को पहचानने में शिक्षार्थियों की सहायता के लिए एक शिक्षण अधिगम सामग्री तैयार करें। • योगाभ्यासों के बारे में अपने समुदाय के 50 लोगों का साक्षात्कार लें और एक सारणी बनायें और इसे एक ग्राफ के रूप में दिखायें। • कुछ स्मारकों की तस्वीरें खींचे और उनमें अपनायी गईं समानताओं एवं पैटर्नों का पता लगायें। • एक इनडोर/आउटडोर गणितीय खेल की रचना करें जिनके माध्यम से आप चार संक्रियाओं को पढ़ा सकते हैं। • अपनी कक्षाकक्ष में गणित सीखने में बच्चों द्वारा सामना की जाने वाली अधिगम समस्याओं का अनुमान लगायें और उनके समाधान के उपाय बतायें।	
526	**कार्यशाला आधारित गतिविधियाँ (WBA)** इस कार्यक्रम में नामांकित होने वाले प्रत्येक विद्यार्थी–शिक्षक को कार्यशाला आधारित गतिविधियों पर आधारित दस दिवसों की कार्यशाला में उपस्थित होना आवश्यक होगा। **कार्यशाला आधारित गतिविधियों का आयोजन** शिक्षार्थी को आवंटित कार्यक्रम केन्द्र पर शिक्षकों की सामर्थ्य एवं कौशल को विकसित करने के लिए गहन मुखाभिमुख अंतःक्रिया से युक्त एक दस दिवसीय अनिवार्य प्रयोगात्मक कार्यशाला का आयोजन होगा। **कार्यशाला से पूर्वः** • भाषाओं (अंग्रेजी/हिन्दी) गणित, पर्यावरण विज्ञान, एवं सामाजिक अध्ययन पर पाठ–योजना तैयार करना • इन विषयों पर शिक्षण अधिगम सामग्रियों को तैयार करना। • विषय आधारित मूल्यांकन के लिए पोर्टफोलियो का विकास। • विद्यार्थी शिक्षक द्वारा ब्लूप्रिंट पर आधारित एक संतुलित प्रश्न पत्र तैयार करना।	**2**

	• निरूपित पाठों का अवलोकन • प्रक्रिया मूल्यांकन में भागीदारी **10 दिवसीय कार्यशाला के दौरान** • भाषाओं (अंग्रेजी/हिन्दी), गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान/सामाजिक अध्ययन पर संकल्पना मानचित्रण • कला, शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा एवं कार्य शिक्षा पर कार्य करना • सेमिनार का प्रस्तुतीकरण • सहयोगी के पाठों का अवलोकन • प्रक्रिया मूल्यांकन में भागीदारी (यह खण्ड विविध पाठ्यक्रमों के विषयों के समापन के बाद विकसित होना चाहिए और केवल उन प्रयोगात्मक आयामों जिनमें कौशल विकास और मुखाभिमुख अंतः क्रिया अनिवार्य हैं, को ही कार्यशाला आधारित क्रियाविधि के रूप में रखा जाना चाहिए।)	
527	**शिक्षण अभ्यास (PT) क्रेडिट** शिक्षण अभ्यास हेतु 2 क्रेडिट निर्धारित हैं। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक को चारों विषयों (भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन एवं विज्ञान/सामाजिक अध्ययन) में से प्रत्येक विषय में 4 शिक्षण अभ्यास पूर्ण करने हैं। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक हेतु एक परामर्शदाता नियुक्त किया जाएगा जोकि विद्यार्थी शिक्षक के कार्य कर रहे विद्यालय का ही वरिष्ठ शिक्षक/शिक्षिका होगा। पर्यवेक्षक बाह्य विशेषज्ञ होंगे। विद्यार्थी शिक्षक को कुल 16 पाठ (प्रत्येक विषय से 4 पाठ) तैयार करने होंगे तथा उन्हीं पाठों का शिक्षण अभ्यास करना होगा। इनमें से 12 सामान्य पाठ तथा 4 अन्तिम पाठ होंगे। सामान्य पाठों के लिए 120 अंक तथा अन्तिम पाठों हेतु 80 अंक निर्धारित हैं। शिक्षण अभ्यास (कुल 16 पाठ) हेतु कुल अधिभार 200 हैं। **सामान्य पाठः** कुल 12 सामान्य पाठों में से 8 पाठ प्रति विद्यार्थी शिक्षक (प्रत्येक विषय से दो अर्थात 2×4=8 पाठ) परामार्शदाता द्वारा मूल्यांकित किए जाएंगे तथा शेष 4 पाठ (प्रत्येक विषय से एक पाठ अर्थात 1×4=4 पाठ) पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकित किए जाएंगे। प्रत्येक पाठ हेतु 10 अंक तथा कुल 120 अंक निर्धारित हैं। 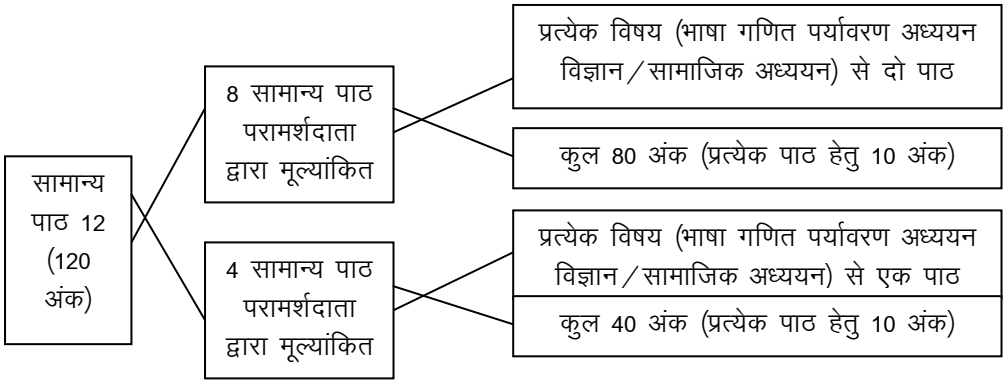 **अन्तिम पाठ** : कुल 4 अन्तिम पाठ (प्रत्येक विषय, भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान/सामाजिक अध्ययन से एक पाठ)	2

	प्रत्येक पाठ हेतु 20 अंक निर्धारित है। इस प्रकार अन्तिम पाठ हेतु कुल 80 (20x4) अंक निर्धारित हैं। सभी अन्तिम पाठ/चर्चा पाठ केवल पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकित किए जायेंगे। 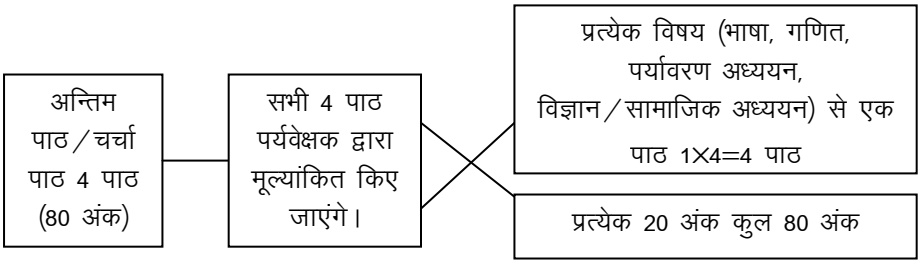 एक परामर्शदाता अपने कार्य स्थल पर कार्यरत सभी विद्यार्थी शिक्षकों का निरीक्षण करेगा एवं एक पर्यवेक्षक अपने आस–पास कार्यरत केवल 10 परामर्शदाताओं का निरीक्षण करेगा। विद्यार्थी शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं तथा परामर्शदाताओं एवं पर्यवेक्षकों में सामान्य तौर पर अनुपात निम्न प्रकार होगा– **5 प्रशिक्षु : 1 परामर्शदाता** **10 परामर्शदाता : 1 पर्यवेक्षक** प्रशिक्षु निम्नलिखित मूल्यांकन मापदंडों के अनुसार मूल्यांकित किया जाएगाः– • पाठ योजना • विषय संबंधी दक्षता • शिक्षक निर्देशन • पाठ एवं उसके प्रबंधन में विद्यार्थियों की सहभागिता • विद्यार्थियों का मूल्यांकन • विद्यालय के प्रमुख द्वारा शिक्षण अभ्यास प्रक्रिया का मूल्यांकन पर्यवेक्षक = 120 अंक तथा परामर्शदाता = 80 अंक कुल अंक = 200	
कुल क्रेडिट		**16**

पाठ्यक्रम की तैयारी

अधिगम सामग्री, देशभर में फैली विशिष्ट संगठनात्मक संस्थाओं एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों की टीम द्वारा विशेष रूप से तैयारी की गई है। सामग्री का पुनरीक्षण विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है और पर्यवेक्षण, अनुदेशक/इकाई के डिजाइन करने वाले द्वारा किया जाता है तथा इनके अंतिम प्रकाशन से पूर्व इनका संपादन NIOS में भाषा विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है।

क्रेडिट प्रणाली

संस्थान कार्यक्रमों के लिए 'क्रेडिट प्रणाली' अपनाता है प्रत्येक क्रेडिट सभी अधिगम क्रियाविधियों को समाहित करते हुए 30 घण्टों के अध्ययन का है। पाठ्यक्रम का अधिभार क्रेडिट के रूप में व्यक्त किया गया है। यह शिक्षार्थी को शैक्षिक प्रयास को समझने में मदद करता है जो वो एक पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के क्रम में रखते हैं। शैक्षिक कार्यक्रम के समापन के लिए दत्तकार्यों को पूर्ण करना, प्रत्येक पाठ्यक्रम के संत्रांत परीक्षाओं और प्रयोगात्मक कार्यों को सफलतापूर्वक पूर्ण करना अपेक्षित है।

सहायता प्रणाली

अपने शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत सहायता प्रदान करने के क्रम में संस्थान/राज्य के पास बड़ी संख्या में अध्ययन केन्द्र हैं। शिक्षार्थी अध्ययन केन्द्र पर अध्ययन केन्द्र समन्वयक, साधन सेवी, सहयोगी समूहों, पुस्तकालय में पुस्तकों के साथ अंतःक्रिया करता है और प्रशासनिक एवं शैक्षणिक मुद्दों पर समन्वयक से अंतःक्रिया करता है। सहायता सेवाएं संबद्ध राज्य में कार्यक्रम केन्द्रों एवं क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से भी प्रदान की जाती हैं।

कार्यक्रम प्रस्तुती की रणनीतियाँ

शिक्षा के मुक्त प्रणाली में निर्देशात्मक प्रणाली एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। यह निर्देशात्मक प्रणाली ही है जो मुक्त शिक्षा को सार्थक, प्रभावी और रूचिपूर्ण बनाता है। इस कार्यक्रम के लिए निम्नलिखित निर्देशात्मक प्रणाली अपनायी गई हैः–

I. कोर (केन्द्र):

- स्व–अनुदेशन मुद्रित सामग्री
- नियत कार्य जैसे– प्रोजेक्ट कार्य, केस अध्ययन, पोर्टफोलियो की तैयारी आदि।
- कार्यशाला के आयोजन के माध्यम से सहायता
- अभ्यास पाठों की प्रस्तुती

II पूरकः

- श्रव्य/दृश्य सामग्री
- टेलीकांफ्रेंसिंग के माध्यम से पाठों की प्रस्तुती
- अंतः क्रियात्मक रेडियो परामर्श
- मोबाईल के माध्यम से सहायता

स्व–अनुदेशन मुद्रित सामग्री

स्व–अनुदेशन सामग्री कार्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रमों दोनों के लिए अध्ययन सामग्री है। यह विद्यार्थियों को तीन–चार खण्डों के रूप में दिया जाता है प्रत्येक खण्ड में 2–4 इकाईयाँ होती हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम का एक कोड नंबर है। NIOS अपने अध्ययन केंद्रों को दत्तकार्यों के साथ अध्ययन सामग्री भेजता है। यदि कोई विद्यार्थी किसी भी कारण से इसे प्राप्त नहीं कर पाता है तो NIOS इसके लिए किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं लेगा।

अध्ययन सत्र

दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थियों एवं उनके शिक्षकों के बीच मुखाभिमुख संपर्क अपेक्षाकृत कम है। ऐसे संपर्क का उद्देश्य है आपके कुछ प्रश्नों का जवाब देना और आपकी शंकाओं को दूर करना जो संवाद के किसी अन्य माध्यमों से संभव नहीं है। यह आपको आपके सहयोगी विद्यार्थियों से मिलने का एक अवसर भी प्रदान करता है। अध्ययन के लिए आपके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम में आपको दिशा निर्देश प्रदान करने के लिए

अध्ययन केन्द्रों पर शैक्षणिक ट्यूटर होते हैं। सामान्यतः ये सत्र अध्ययन केंद्रों पर रविवार एवं अन्य छुट्टियों में आयोजित होंगे।

10 दिवसीय व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम की रूपरेखा

दिवस	प्रातः कालीन सत्र (प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 1 बजे तक)	सायं कालीन सत्र (दोपहर 2:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक)
पहला	उद्घाटन, पंजीकरण, स्वागत परिचय तथा पीडीपीईटी कार्यक्रम पर चर्चा	स्व अनुदेशन सामग्री पर चर्चा
दूसरा	विषय कोड–521 से संबंधित कठिन क्षेत्रों पर चर्चा	विषय कोड–522 से संबंधित कठिन क्षेत्रों पर चर्चा
तीसरा	विषय कोड–523 से संबंधित कठिन क्षेत्रों पर चर्चा	विषय कोड–524 से संबंधित कठिन क्षेत्रों पर चर्चा (भाषा शिक्षण–शास्त्र)
चौथा	विषय कोड–524 से संबंधित कठिन क्षेत्रों पर चर्चा (पर्यावरण अध्ययन शिक्षण–शास्त्र)	विषय कोड–524 से संबंधित कठिन क्षेत्रों पर चर्चा (गणित का शिक्षण शास्त्र)
पाँचवा	विषय कोड–524 से संबंधित कठिन क्षेत्रों पर चर्चा (विज्ञान/सामाजिक अध्ययन शिक्षण शास्त्र)	विषय कोड–521 से संबंधित दत्तकार्यों पर चर्चा
छठा	विषय कोड–522 से संबंधित दत्तकार्यों पर चर्चा	विषय कोड–523 से संबधित दत्तकार्यों पर चर्चा
सातवाँ	विषय कोड–524 से संबंधित दत्तकार्यों पर चर्चा (भाषा शिक्षण–शास्त्र)	विषय कोड–524 से संबंधित दत्तकार्यों पर चर्चा (पर्यावरण अध्ययन शिक्षण–शास्त्र)
आठवाँ	विषय कोड–524 से संबंधित दत्तकार्यों पर चर्चा (गणित का शिक्षण–शास्त्र)	विषय कोड–524 से संबंधित दत्तकार्यों पर चर्चा (विज्ञान/सामाजिक अध्ययन शिक्षण–शास्त्र)
नौवाँ	विषय कोड 521–522 से संबंधित समस्याओं पर चर्चा एवं पृष्ठपोषण(Feedback)	विषय कोड 523 एवं 524 (भाषा शिक्षण) से संबंधित समस्याओं पर चर्चा एवं पृष्ठपोषण(Feedback)
दसवाँ	विषय कोड–524 (गणित, पर्यावपरण अध्ययन, विज्ञान/सामाजिक अध्ययन शिक्षण) से संबंधित समस्याओं पर चर्चा एवं पृष्ठपोषण(Feedback)	स्वअनुदेशन सामग्री पर पृष्ठपोषण (Feedback) एवं समापन

आपको नोट कर लेना चाहिए कि अध्ययन सत्र, कक्षाकक्ष शिक्षण या व्याख्यान से बहुत भिन्न होंगे। शिक्षक व्याख्यान प्रस्तुत नहीं करेंगे जैसा कि परंपरागत शिक्षण में होता है। अंतःसेवी प्रारंभिक शिक्षकों के लिए प्रमाण–पत्र कार्यक्रम का अध्ययन करते समय आने वाली परेशानियों को दूर करने में शिक्षक आपकी मदद करने की कोशिश करेंगे। इन सत्रों में आपको अपने विषय संबंधी एवं अन्य संबद्ध समस्याओं को हल करने का प्रयास अवश्य करना चाहिए।

अध्ययन केन्द्र समन्वयक उनकी सुविधा के अनुसार शिक्षण सूची प्रदान करेंगे। शिक्षण सत्र अपेक्षित स्पष्टीकरणों को मुद्रित सामग्री में शामिल करेगा। शिक्षण सत्र सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों लिए आयोजित होता है।

शिक्षण सत्र प्रत्येक विद्यार्थी के लिए 4 सैद्धांन्तिक पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित होता है। शिक्षण के लिए 6 महीने में न्यूनतम 10 दिन होंगे जिनमें प्रत्येक प्रशिक्षु के लिए न्यूनतम 75% उपस्थिति अनिवार्य है। शिक्षण कक्षाओं के लिए कोई क्रेडिट स्वीकृत नहीं है। किन्तु यह उन्हें सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए योग्य बनायेगा।

प्रयोगात्मक कार्यों का आयोजन

प्रयोगात्मक कार्य को प्रभावी सहायता प्रदान करने के लिए NIOS राज्य के सहयोग से अध्ययन केन्द्र बनाता है जहाँ 6 महीने के पाठ्यक्रम के लिए छुट्टियों के दौरान 10 दिनों का कार्यशाला आयोजित होगा। अध्ययन केंद्र DIET/PTTI/BRC में स्थित हैं जहाँ शैक्षिक सत्र और प्रायोगिक कार्यशाला आयोजित होंगी। यह अध्ययन केंद्र/कार्यशाला समन्वयकों द्वारा व्यवस्थित होगा। प्रत्येक अध्ययन केंद्र पर अधिकतम 50 विद्यार्थी होंगे। अध्ययन केन्द्र जिससे आप जुड़े हैं का विस्तृत विवरण आपको राज्य/NIOS/अध्ययन केन्द्र द्वारा प्रेषित होगा। प्रायोगिक कार्य अध्ययन केन्द्रों/कार्यशाला केन्द्रों के रूप में चिह्नित संस्थानों में होंगे। कार्यशाला आधारित प्रायोगिक कार्य 6 महीनों के दौरान 10 दिनों की कार्यशाला में आयोजित होंगे। कार्यशाला प्रशिक्षुओं की सामर्थ्य एवं कौशल को विकसित करने के लिए गहन मुखाभिमुख अंतःक्रिया को शामिल करता है।

गतिविधियाँ	क्रेडिट	घंटे
विद्यालय आधारित गतिविधियाँ (SBA)	2	60
कार्यशाला आधारित गतिविधियाँ (WBA)	2	60
शिक्षण अभ्यास	2	60
सैद्धान्तिक विषयों हेतु शिक्षण सहायता – 10 दिन (5 घटे x 10 दिन = 50 घंटे)	कोई क्रेडिट नहीं	50
कुल घंटे (1 क्रेडिट = 30 घंटे)		**230**

पाठ्यक्रम आधारित दत्तकार्य

पाठ्यक्रम आधारित दत्तकार्य (स्व अधिगम सामग्रियों के साथ आपूर्ति) निर्देशात्मक प्रणाली के मूलभूत एवं अनिवार्य घटक हैं। प्रत्येक सैद्धांतिक पाठ्यक्रम में दत्तकार्य हैं। ये दत्तकार्य कार्यक्रम निर्देशिका में पृथक रूप से दिये गए जमा करने की सूची के अनुरूप संबद्ध अध्ययन केन्द्र में जमा होने हैं। किसी मामले में कोई विद्यार्थी दत्तकार्यों को रखना चाहता है तो वह उसकी छायाप्रति अध्ययन केन्द्र से प्राप्त कर सकता है। दत्तकार्यों को तैयार करते समय निम्नलिखित बिन्दु मस्तिष्क में रखने चाहिएः

(i) उत्तर संक्षिप्त एवं व्यवस्थित बनायें। सदैव अप्रासंगिक वर्णनों से बचने का प्रयास करें और प्रश्न तथा इसके विविध पक्षों पर केन्द्रित करें।

(ii) दत्तकार्यों में जहाँ भी निर्दिष्ट किया गया हो कार्य सीमा का ध्यान रखें। जहाँ तक संभव हो शब्द सीमा का पालन करें। उसी के साथ विश्लेषणों को पर्याप्त बनायें और बहुत अधिक छोटा न करें। शब्द सीमा उत्तरकी मूल अवधारणा को बनाए रखता है तथा आपकी अभिव्यक्ति को रोकता नहीं है।

(iii) आप अपने जवाब स्वयं लिखें। यदि आप अनुभव करते हैं कि आपका लेखन पूरी तरह से पठनीय नहीं है तो आप हमें टंकित जवाब भेज सकते हैं।

(iv) दत्तकार्य का जवाब आपको अध्ययन केन्द्र को भेजना होगा जिससे आप संबद्ध है। (प्रत्येक दत्तकार्य के लिए निर्धारित तिथि के अनुसार)

(v) पाठ्यक्रम आधारित दत्तकार्यों का अधिभार प्रत्येक पाठ्यक्रम में 25% है। पाठ्य कोड 521, 522 और 523 में सैद्धांतिक पक्ष का 10% अधिभार होगा तथा 15% अधिभार अभ्यास आधारित होगा। जबकि पाठ्यक्रम कोड 524 में केवल अभ्यास आधारित अधिभार 25% होगा। आपके पास आंतरिक विकलप के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं होगा। सभी दत्तकार्य अनिवार्य है। कुल 10 दत्तकार्य होंगे। ये दत्तकार्य सूची में दी गई तिथि के अंदर अध्ययन केन्द्र को जमा किये जाने हैं। दत्तकार्य की एक प्रति आप सदैव अपने साथ रखें।

क्रम संख्या	**पाठ्यक्रम कोड**	**दत्तकार्य**		**अंक**		**संपूर्ण अंक**
		सैद्धांतिक	**प्रयोगात्मक / परियोजना कार्य**	**सैद्धांतिक**	**प्रयोगात्मक / परियोजना कार्य**	**100**
1	521	1	1	10	15	25
2	522	1	1	10	15	25
3	523	1	1	10	15	25
4	524	भाषा (एक दत्तकार्य)		7		25
		पर्यावरण अध्ययन (एक दत्तकार्य)		6		
		गणित (एक दत्तकार्य)		6		
		विज्ञान / सामाजिक अध्ययन (एक दत्तकार्य)		6		

(प्रारूप का दृढ़ता से पालन करें। यदि आप इस प्रारूप का पालन नहीं करेंगे हम आपके उत्तर आपको पुनः जमा करने के लिए वापस भेज देंगे। यदि आप अपना नामांकन संख्या और पता नहीं लिखते हैं तो बहुत संभव है कि आपके दत्तकार्य के उत्तर खो जाये।)

- दत्तकार्य का जवाब सभी दृष्टिकोण से परिपूर्ण होना चाहिए। अपूर्ण उत्तर आपको खराब ग्रेड देंगे। जवाब टुकड़ों में न भेजें क्योंकि वे हमारे कार्यालयों में कभी भी एक साथ नहीं रखे जा सकते।
- अपने उत्तर के लिए केवल फुलस्केप आकार के कागज का प्रयोग करें। सामान्य कागज का उपयोग करें। बहुत पतले का उपयोग नहीं करें।
- दत्तकार्य के जवाब में प्रत्येक जवाब के बीच 4 लाइनें कम से कम छोड़े और बायीं ओर 3/2'' हासिया छोड़े। उत्तर का मूल्यांकन करते समय सार्थक टिप्पणी लिखने के लिए यह साधन सेवी को उपयुक्त स्थान प्रदान करेगा।
- सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर आपको भेजे गए स्व–अधिगम सामग्री पर आधारित हैं।

- दत्तकार्यों के जवाब के रूप में आपको मुद्रित अनुच्छेद नहीं भेजना चाहिए।
- आपने दत्तकार्य का जो जवाब हमें भेजा हैं उसकी एक प्रति रखें। खो जाने की स्थिति में पुनः जमा करने के लिए आपको इसकी जरूरत पड़ सकती है।
- ध्यान रखें कि किसी विशेष दत्तकार्य के दो या अधिक उत्तर एक जैसे हैं तो वे या तो बिना जाँचे लौटा दिये जायेंगे या बहुत कम ग्रेड दिये जायेंगे। यह पूर्णतः मूल्यांकनकर्ता का विवेकाधिकार है कि वो इसे पुनः करने को कहें या ऐसे मामलों में बहुत कम ग्रेड हैं।
- कृपया निर्धारित तिथि पर समन्वयक/कार्यक्रम इंचार्ज को संबद्ध अध्ययन केन्द्र पर दत्तकार्य जमा करायें। यदि जमा करने की अंतिम तिथि को कोई छुट्टी होती है तो दत्तकार्य का उत्तर अगले कार्य दिवस पर जमा कराना चाहिए।

पाठ्यक्रम आधारित दत्तकार्य को जमा करने की सूची (कुल 10 दत्तकार्य)

पाठ्यक्रम कोड	दत्तकार्य का शीर्षक एवं संख्या	अधिकतम अंक	जमा करने की अंतिम तिथि
521	प्रारंभिक शिक्षा–संदर्भ, सरोकार एवं चुनौतियाँ (दत्तकार्य–1 और 2)	25	**पहला दत्त कार्य** कार्यक्रम प्रारंभ होने के तीसरे महीने के दूसरे दिन **दूसरा दत्त कार्य** कार्यक्रम प्रारंभ होने के तीसरे महीने के तीसरे दिन
522	प्रारंभिक विद्यालयी बच्चों को समझना (दत्तकार्य 1 & 2)	25	जैसा ऊपर वर्णित है
523	पाठ्यचर्या एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया (नियत कार्य 1 & 2)	25	जैसा ऊपर वर्णित है
524	प्रारंभिक विद्यालयी विषयों का शिक्षा शास्त्र (भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन, सामाजिक अध्ययन/ विज्ञान) भाषा – 7 गणित – 6 पर्यावरण अध्ययन – 6 सामाजिक अध्ययन / विज्ञान – 6 (कुल = 25)	25	जैसा ऊपर वर्णित है

दत्तकार्य भेजने के साथ–साथ पावती फार्मः अध्ययन केन्द्र पर दत्तकार्य जमा करने का पावती फार्म निम्नलिखित हैः

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

दत्तकार्य भेजने के साथ–साथ पावती फार्म

कार्यक्रमः प्रारंभिक शिक्षकों के लिए 6 महीने का व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (PDPET)

अध्ययन केन्द्र कोड .....

नामांकन संख्या : | | | | | | | | | | | | |

नाम.....

पता.....

.....

पाठ्यक्रम कोड .....

दत्तकार्य संख्या .....

नोट– 1. इस फार्म को दत्तकार्य के साथ अपने अध्ययन केन्द्र समन्वयक को जमा करें।

2. जब आप डाक से दत्तकार्य भेजते हैं तो एक टिकट लगा स्वयं का पता लिखा लिफाफा संलग्न करें।

नमांकन संख्या | | | | | | | | | | | | |

कार्यक्रमः पीडीपीईटी

अध्ययन केन्द्र .....

नाम .....

पाठ्यक्रम कोड .....

क्रमांक संख्या	दत्तकार्य संख्या

केवल कार्यालय उपयोग के लिए

क्रमांक संख्या .....

प्राप्त करने की तिथि .....

मूल्यांकनकर्ता का नाम .....

मूल्यांकर्ता को भेजने की तिथि.....

मूल्यांकनकर्ता से प्राप्त करने की तिथि.....

सहायक के हस्ताक्षर .....दिनाँक.....

शिक्षार्थी का मूल्यांकन

प्रारंभिक शिक्षकों के लिए 6 माह के व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में मूल्यांकन–मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम मोड़ में निम्नलिखित घटकों को सम्मिलित करता हुआ एक बहु–स्तरीय–प्रणाली है:

- अध्ययन को प्रत्येक इकाई में स्व–मूल्यांकन अभ्यास
- सत्त, मुख्यतः दत्तकार्यों के माध्यम से, ये हैं–
  (i) टयूटर अंकित और प्रयोगात्मक दत्तकार्य
  (ii) प्रयोगात्मक कार्यविधियाँ: विद्यालय आधारित गतिविधियाँ एवं कार्यशाला आधारित कार्यविधियाँ
- सत्रांत परीक्षा

(A) सैद्धांतिक पाठ्यक्रम: सैद्धांतिक पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं:

521	प्रारंभिक शिक्षा: संदर्भ, चुनौतियाँ एवं सरोकार
522	प्रारंभिक विद्यालयी बच्चों को समझना
523	पाठ्यचर्या एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया
524	प्रारंभिक विद्यालयी विषयों का शिक्षण–शास्त्र

(B) स्व मूल्यांकन अभ्यास/जाँच: प्रत्येक पाठ्यक्रम में औपचारिक मूल्यांकन के अतिरिक्त NIOS अभ्यर्थियों के लिए प्रत्येक बिन्दु पर स्व–मूल्यांकन सामग्री के रूप में कुछ अभ्यास/जाँच प्रदान करता है। इसका कोई अंक नहीं होता किन्तु अधिगमकर्ता जो जानता है या जिस पर उसे कार्य करने की जरूरत है उन सभी पहलुओं का स्व–मूल्यांकन का एक साधन होगा।

(C) सत्रांत परीक्षा: बाह्य परीक्षा के प्रत्येक प्रश्न पत्र में प्रश्नों के विभिन्न रूपों का एक संतुलित सारांश होगा जो नीचे दिया गया है:

- 10 अति लघु उत्तरीय प्रश्न — 10 (20) सभी अनिवार्य
  प्रत्येक 2 अंक का
- 07 लघु उत्तरीय प्रश्न — 07 (35) आंतरिक चयन के आधार पर
  प्रत्येक 5 अंकों का
- 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न — 02 (20) आंतरिक चयन के आधार पर
  प्रत्येक 10 अंकों का
  कुल प्रश्नों की संख्या = 19
  चयन किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या = 19
  कुल अंक = 75

ध्यान दें: कोष्ठक से बाहर की संख्या अंकों को तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या को दर्शाता है।

प्रत्येक पाठ्यक्रम के दो घटक हैं:

- सैद्धांतिक घटक 75 अंकों का
- विशेष पाठ्यक्रम से संबंधित घटक मुख्यतः अभ्यास आधारित होते है जिनके 25 अंक होते हैं।

प्रत्येक के 25 अंक जिसमें भाषा के 8 अंक, गणित के 8 अंक, पर्यावरण विज्ञान के 7 अंक तथा सामाजिक अध्ययन/विज्ञान 6 अंक अधिभार होंगे। इन दोनों भागों में अभ्यार्थी द्वारा प्राप्त अंक विशेष अभ्यार्थी द्वारा विशेष पाठ्यक्रम में संपूर्ण अंक को निर्धारित करने में जोड़े जायेंगे। सभी पाठ्यक्रमों के प्रश्न पत्र निर्धारित प्रारूप पर आधारित होते हैं। प्रत्येक परीक्षा हेतु डिजाइन पर आधारित प्रश्न पत्रों हेतु ब्लूप्रिंट तैयार होगा।

प्रश्न पत्र निर्माताओं से निम्नलिखित को प्रदान करना अपेक्षित होगाः

(i) निर्धारित प्रारूप के आधार पर उनके द्वारा तैयार किया गया ब्लूप्रिंट

(ii) अभ्यर्थियों को प्रश्न–पत्र एवं निर्देश

(iii) प्रश्न–पत्र के प्रत्येक प्रश्न के लिए अंकों के साथ मूल्यांकन योजना

(iv) निम्नलिखित क्षेत्रों के संदर्भ में प्रश्न पत्र का विश्लेषण जरूरी हैं–

- प्रश्नों द्वारा उद्देश्य को जाँचा जाये
- टॉपिक जिस पर यह आधारित है
- प्रश्नों के प्रारूप
- आंकलित कठिनाई स्तर (आसान, औसत, कठिन)
- प्रश्नों का जवाब देने के लिए अपेक्षित अनुमानित समय
- प्रत्येक प्रश्न के अंक

प्रश्न पत्र में प्रश्नों को रखते समय यह एक बहुमूल्य उपकरण होगा।

(D) पाठ्य आधारित दत्तकार्यः पाठ्यक्रम आधारित दत्तकार्यों का अधिभार प्रत्येक पाठ्यक्रम में 25% है। पाठ्य कोड 521, 522 और 523 में सैद्धांतिक पक्ष का 10% अधिभार होगा तथा 15% अधिभार अभ्यास आधारित होगा। जबकि पाठ्यक्रम कोड 524 में केवल अभ्यास आधारित अधिभार 25% होगा। आपके पास आंतरिक विकलप के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं होगा। सभी सामग्री अनिवार्य है। कुल 10 दत्तकार्य होंगे।

(E) प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम (कार्यशाला एवं विद्यालय आधारित गतिविधियां और शिक्षण अभ्यास)

प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन सत्त एवं समग्र मूल्यांकन ढाँचा पर आधारित एक पहलू को सम्मिलित करता हैः

(i) कार्यशाला आधारित क्रियाविधियों में निष्पादन का मूल्यांकन

(ii) विद्यालय आधारित क्रियाविधियों में निष्पादन का मूल्यांकन

(iii) शिक्षण अभ्यास आधारित निष्पादन का मूल्यांकन

525 विद्यालय आधारित गतिविधियाँ

विद्यालय आधारित गतिविधियों (SBA) के कुल चार समूह हैं। समूह A, B तथा C प्रत्येक से एक–एक गतिविधि का चयन करना है। समूह D से कुल चार गतिविधियों का चयन करना है जिनमें से उपसमूह (i) तथा (iii) से एक–एक गतिविधि तथा उप–समूह (ii) से दो गतिविधियों का चयन करन है। इस प्रकार चारों समूहों से कुल सात गतिविधियाँ पूरी की जानी आवश्यक हैं। विद्यालय आधारित गतिविधियों की रिपोर्ट कार्यशाला के दौरान ही जमा की जाएगी जिनका मूल्यांकन किया जाएगा और तदनुसार अंक/ग्रेड दिए जायेंगे। समूह A, B तथा C से चयनित गतिविधियों हेतु कुल 60 अंक (3x20) निर्धारित हैं तथा समूह D से चयनित गतिविधियों हेतु कुल 40 अंक (4x10) निर्धारित हैं। विद्यालय आधारित गतिविधियों (SBA) हेतु कुल 100 अंक निर्धारित हैं।

नोटः

- समूह A, B तथा C में से कोई एक गतिविधि तथा समूह D में से कोई दो गतिविधियाँ सभी समूहों से कुल तीन गतिविधियाँ पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकित की जायेंगी।
- समूह A, B तथा C में से दो गतिविधियाँ तथा समूह D से दो गतिविधियाँ (सभी समूहों से कुल चार गतिविधियाँ) परामर्शदाता द्वारा मूल्यांकित की जायेंगी।

समूह–A (इस समूह से केवल एक गतिविधि का चयन करना है।)

- शिक्षा का कानून 2009 का विवेचनात्मक परीक्षण अपने विद्यालय परिदृश्य में शिक्षकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्वों के संदर्भ में करें।
- राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढाँचा 2005 के दिशानिर्देशक सिद्धांतों पर मार्गदर्शक की उपस्थिति में एक समूह परिचर्चा का आयोजन करें और परिचर्चा से उत्पन्न मुख्य बिन्दुओं पर एक रिपोर्ट तैयार करें।
- नामांकन, पहुँच, धारण और विद्यालय बीच में छोड़ने तथा विद्यालय बीच में छोड़ने को जाँचने के लिए उठाये गए कदमों के संदर्भ में अपने क्लस्टर में प्रारंभिक शिक्षा की स्थिति पर एक रिपोर्ट तैयार करें।
- अपने विद्यालय में लागू आचार संहिता को पढ़ें और अनुकूल विद्यालय वातावरण बनाने में इसकी भूमिका का विश्लेषण करें।
- विभिन्न स्रोतों (लोककथा/पंचतंत्र/जातक कथा/स्वतंत्रता संघर्ष, और देशभक्ति की कहानियाँ, पाठ्यपुस्तक आदि) से कम–से–कम दो कहानियाँ एकत्र करें और उन मूल्यों की पहचान करें जो कहानियों के माध्यम से विकसित होते हैं।

समूह–B (इस समूह से केवल एक गतिविधि का चयन करना है।)

- बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित समाचार पत्रों से 20 कतरन इकट्ठा करें, बच्चों के अधिकारों से संबंधित जागरूकता उत्पन्न करने के लिए उपाय सुझायें और सारांश प्रस्तुत करें।
- विद्यालय में एक खेल का आयोजन करें और खेल के दौरान बच्चों का निरीक्षण करें और विश्लेषण करें कि कैसे यह उनके भावात्मक और संज्ञानात्मक विकास को प्रभावित करता है।
- अपने पड़ोस के एक बच्चे का केस प्रोफाइल तैयार करें।
- बच्चों के बातचीत का चित्रण करें जो वे अपने साथियों के साथ करते हैं।
- अपने विद्यालय में बच्चों के बीच व्यवहारात्मक मुद्दों/समस्याओं को चिह्नित करें।

समूह–C (इस समूह से केवल एक गतिविधि का चयन करना है।)

- बहुस्तरीय कक्षाकक्ष में शिक्षण का आयोजन करें और चुनौतियों को चिह्नित करें तथा इस परिस्थिति में उन पर विजय प्राप्त करने के तरीके चिह्नित करें।
- कुछ दृष्टांतों को पहचानें जो उनके समुदाय में लैंगिक भेदभाव को प्रदर्शित करता है और इस प्रकार के लैंगिक भेदभावों को दूर करने के उपाय सुझाएं।
- पाँच मिनट के दृश्य/श्रवण सामग्री को तैयार करने के लिए अपने मोबाइल फोन का उपयोग करें और उसका उपयोग अपनी कक्षाकक्ष में एक शिक्षण सामग्री के रूप में करें और इस पर एक रिपोर्ट तैयार करें।

- अपने विद्यालय एवं कक्षाकक्ष परिसर में स्वच्छता बनाये रखने के लिए आप क्या कदम उठायेंगे पहचानें और परिसर को सुंदर बनाने के लिए अपने बच्चों के कला के कार्य का प्रयोग करें।
- स्थानीय स्तर पर उपलब्ध भोजन, फल और सब्जियों की पहचान करें तथा उनके पोषक मूल्यों को चिह्नित करें।

समूह–D (इस समूह के उपसमूहों (i) & (iii) से एक–एक तथा उपसमूह (ii) से दो गतिविधियों का चयन करना है।

(i)
- अव्यवस्थित शब्दों वाले पाँच खेलों को तैयार करें।
- फ्लैश कार्डों का एक समूह तैयार करें और व्याख्या करें कि कैसे आप कक्षाकक्ष में इसका उपयोग करने की योजना बना रहे हैं:
- एक भाषा के खेल का आयोजन करें।
- चित्र पठन कार्यविधि का आयोजन करें।
- बच्चों द्वारा संवाद प्रस्तुती की अभिव्यक्तियों पर केंद्रित एक नाटक का आयोजन करें।
- शब्द मानचित्र एवं शब्द शृंखला

(ii)
- एक प्राथमिक उपचार किट तैयार करें।
- अपने परिवेश में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों एवं शिक्षण अधिगम में उनके उपयोग की सूची बनायें।
- अपने परिवेश में प्रदूषण के कारणों को पहचानें एवं इसके समाधान के उपाय बतायें।
- अपने समुदाय में प्रचलित सामान्य अंधविश्वासों को पहचानें और उनके उन्मूलन के उपाय सुझाएं।
- पर्यावरण विज्ञान/विज्ञान में अपनी पसंद के किसी विषय पर एक संकल्पना मान–चित्रण विकसित करें।
- अपने परिवेश के महत्त्वपूर्ण स्थलों को चिह्नित करते हुए एक निर्देशक मानचित्र तैयार करें।
- अपने राज्य या भारत में विविधता से संबंधित तस्वीरों को एकत्र करें और एक कोलाज तैयार करें।
- नदी, नहर, तालाब, कृषि की फसलें, बागवानी, पुष्प कृषि जैसी अपने क्षेत्रीय संसाधनों का एक मानचित्र विकसित करें।
- स्वतंत्रता संग्राम में अपने राज्य की महिलाओं के योगदानों का दस्तावेज तैयार करें।

(iii)
- आकृतियों को पहचानने में अधिगमकर्ताओं की सहायता के लिए एक शिक्षण अधिगम सामग्री तैयार करें।
- योगाभ्यासों के बारे में अपने समुदाय के 50 लोगों का साक्षात्कार लें और एक सारणी बनायें और इसे एक ग्राफ के रूप में दिखायें।
- कुछ स्मारकों की तस्वीरें खींचे और उनमें अपनायी गईं समानताओं एवं पैटर्नों का पता लगायें।
- एक इनडोर/आउटडोर गणितीय खेल की रचना करें जिनके माध्यम से आप चार संक्रियाओं को पढ़ा सकते हैं।
- अपनी कक्षाकक्ष में गणित सीखने में बच्चों द्वारा सामना की जाने वाली अधिगम समस्याओं का अनुमान लगायें और उनके समाधान के उपाय बतायें।

526 कार्यशाला आधारित गतिविधियाँ (WBA)

इस पाठ्यक्रय हेतु नामांकित प्रत्येक विद्यार्थी–शिक्षक को दस दिवसीय कार्यशाला आधारित गतिविधियों में भाग लेना अनिवार्य है। सेवारत शिक्षकों के लिए कार्यक्रम में 6 महीने के दौरान 10 दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने की योजना होती है। कार्यशाला की क्रियाविधियाँ 6 महीने के कार्यक्रम में कुल 100 अंकों का अधिभार रखती हैं। गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

- भाषाओं (अंग्रेजी / हिंदी), गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान / सामाजिक अध्ययन में संकल्पना मानचित्रण – 40 अंक
- कला का अभिनय, शारीरिक एवं स्वास्थ्य तथा कार्य शिक्षा – 10 अंक
- सेमिनार प्रस्तुती – 20 अंक
- सहयोगी पाठ अवलोकन – 10 अंक
- प्रक्रिया मूल्यांकन में भागीदारी – 20 अंक

कुल – 100 अंक

कार्यशाला आधारित गतिविधियों का आयोजनः

कार्यशाला आधारित गतिविधियों का आयोजनः अधिगमकर्ता को आवंटित कार्यक्रम केन्द्र पर शिक्षकों की सामर्थ्य एवं कौशल को विकसित करने के लिए गहन मुखाभिमुख अंतःक्रिया से युक्त एक 10 दिवसीय अनिवार्य प्रयोगात्मक कार्यशाला का आयोजन होगा।

कार्यशाला से पूर्वः

- भाषाओं (अंग्रेजी / हिन्दी), गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान / सामाजिक अध्ययन पर पाठ–योजना तैयार करना
- उपरोक्त विषयों पर शिक्षण अधिगम सामग्रियों को तैयार करना।
- विषय आधारित मूल्यांकन के लिए पोर्टफोलियों का विकास।
- विद्यार्थी शिक्षक द्वारा ब्लूप्रिंट पर आधारित एक संतुलित प्रश्न पत्र तैयार करना।
- निरूपित पाठों का अवलोकन
- प्रक्रिया मूल्यांकन में भागीदारी

10 दिवसीय कार्यशाला के दौरान

- भाषाओं (अंग्रेजी / हिन्दी), गणित, पर्यावरण, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन एवं विज्ञान पर संकल्पना मानचित्रण
- कला, शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा एवं कार्य शिक्षा पर कार्य करना
- सेमिनार का प्रस्तुतीकरण
- सहयोगी के पाठों का अवलोकन
- प्रक्रिया मूल्यांकन में भागीदारी

(यह खण्ड विविध पाठ्यक्रमों के विशयों के समापन के बाद विकसित होना चाहिए और केवल उन प्रयोगात्मक दिशाओं में जिसमें कौशल विकास और मुखाभिमुख अंतः क्रिया अनिवार्य है, को ही कार्यशाला आधारित क्रियाविधि के रूप में रखा जाना चाहिए।)

526 कार्यशाला आधारित गतिविधियाँ (WBA)
दस दिवसीय कार्यशाला आधारित गतिविधियों के कार्यक्रम की रूपरेखा

दिवस	सत्र–I (प्रातः 10 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक)	मध्याह्न भोजन दोपहर 1:00 बजे से दोपहर 1:30 तक	सत्र–II (दोपहर 1:30 से सांय 4:30 तक)	पृष्ठपोषण सत्र सायं 4:30 बजे से सायं 5 बजे तक
1	पंजीयन, स्वागत, परिचय आधारित गतिविधियों कार्यशाली से परिचय	मध्याह्न भोजन दोपहर 1:00 बजे से दोपहर 1:30 तक	पाठ योजना के आवश्यक पर चर्चा, शिक्षण अधिगम सामग्री एवं इसके समेकित उपयोग पर चर्चा	पृष्ठपोषण **(Feedback)**
2	गणित शिक्षण से संबंधित अवधारणाओं के सिखाने हेतु कम से कम दो शिक्षण अधिगम सामग्रियों का निर्माण एवं प्रदर्शन		भाषा एवं पर्यावरण अध्ययन से संबंधित	
3	विज्ञान/सामाजिक अध्ययन से संबंधित		• किसी प्रकरण से संबंधित सामान्य उद्देश्यों एवं शिक्षण उद्देश्यों पर चर्चा • किसी चुने हुए प्रकरण हेतु सामान्य उद्देश्यों एवं शिक्षण उद्देश्यों की पहचान	
4	• सामान्य उद्देश्यों एवं शिक्षण उद्देश्यों के लिखने के तरीकों पर चर्चा • भाषा से संबंधित किसी प्रकरण हेतु शिक्षण उद्देश्यों को लिखना एवं समूह में चर्चा करना		• पर्यावरण अध्ययन से संबंधित किसी प्रकरण का चयन करते हुए सामान्य उद्देश्यों एवं शिक्षण उद्देश्यों को लिखित एवं समूह में चर्चा	
5	• पर्यावरण अध्ययन से संबंधित किसी प्रकरण का चयन करते हुए सामान्य उद्देश्यों एवं शिक्षण उद्देश्यों को लिखना एवं समूह में चर्चा • गणित से संबंधित		• विज्ञान/सामाजिक अध्ययन से संबंधित	
6	भाषा शिक्षण से संबंधित किसी प्रकरण पर पाठ योजना तैयार करना, प्रदर्शन एवं समवाय पाठ अवलोकन		• पर्यावरण अध्ययन से संबंधित	
7	गणित शिक्षण से संबंधित		• विज्ञान/सामाजिक अध्ययन से संबंधित	
8	भाषा, पर्यावरण अध्ययन, गणित तथा विज्ञान/सामाजिक		प्रक्रिया आधारित मूल्यांकन में भागीदारी पर चर्चा	

	अध्ययन से संबंधित अवधारणाओं पर अवधारणा मानचित्रण पर चर्चा			
9	आकलन एवं आकलन की विविध तकनीकों (विशिष्ट रूप से पोर्टफोलियो) पर चर्चा		• ब्लू प्रिन्ट एवं प्रश्न पत्र प्रारूप पर चर्चा • यूनिट टेस्ट, सत्रांत परीक्षा, प्रश्न–पत्र तैयार करना • प्रश्नपत्र का विश्लेषण करना	
10	• अभिनय एवं रोल प्ले इत्यादि की शिक्षण में भूमिका पर चर्चा • सेमीनार प्रस्तुतीकरण पर चर्चा		• प्रारंभिक विद्यालयी विषयों हेतु प्रयोगशालाओं के विकास पर चर्चा • शिक्षण अधिगम सामग्री से संबंधित प्रदर्शनी का आयोजन	

नोटः–

- **कार्यशाला केन्द्र पर कार्यशाला के दौरान शिक्षक प्रशिक्षु द्वारा रिपोर्ट सत्यापन हेतु प्रस्तुत की जायेगी।**
- **परामर्शदाता तथा पर्यवेक्षक विद्यालय आधारित गतिविधियों का कार्यशाला के दौरान आकलन करेंगे।**
- **पाठों पर चर्चा के उपरान्त प्रत्येक प्रशिक्षु को अपनी अवलोकन रिपोर्ट संसाधन व्यक्ति द्वारा आकलन हेतु जमा करानी होगी।**
- **प्रत्येक सत्र के दौरान प्रत्येक प्रशिक्षु का आकलन उनके प्रदर्शन के आधार पर संसाधन व्यक्ति के द्वारा सतत रूप से किया जाएगा।**
- **पृष्ठपोषण सत्र (Feedback) का संचालन कार्यशाला समन्वयक तथा संबंधित संसाधन व्यक्ति द्वारा किया जायेगा।**

527 शिक्षण अभ्यास (PT) क्रेडिट

शिक्षण अभ्यास हेतु 2 निर्धारित हैं। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक को चारों विषयों (भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन एवं विज्ञान/सामाजिक विज्ञान) में से प्रत्येक विषय में 4 शिक्षण अभ्यास पूर्ण करने हैं। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षक हेतु एक परामर्शदाता नियुक्त किया जाएगा जोकि विद्यार्थी शिक्षक के कार्य कर रहे विद्यालय का ही वरिष्ठ शिक्षक/शिक्षिका होगा। पर्यवेक्षक बाह्य विशेषज्ञ होंगे। विद्यार्थी शिक्षक को कुल 16 पाठ (प्रत्येक विषय से 4 पाठ) तैयार करने होंगे तथा उन्हीं पाठों का शिक्षण अभ्यास करना होगा।

इनमें से 12 सामान्य पाठ तथा 4 अन्तिम पाठ होंगे। सामान्य पाठों के लिए 120 अंक तथा अन्तिम पाठों हेतु 80 अंक निर्धारित हैं। शिक्षण अभ्यास (कुल 16 पाठ) हेतु कुल अधिभार 200 है।

सामान्य पाठः कुल 12 सामान्य पाठों में से 8 पाठ प्रति विद्यार्थी शिक्षक (प्रत्येक विषय से दो अर्थात 2×2=8 पाठ) परामार्शदाता द्वारा मूल्यांकित किए जाएंगे तथा शेष 4 पाठ (प्रत्येक विषय से एक पाठ अर्थात 1×4=4 पाठ) पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकित किए जाएंगे। प्रत्येक पाठ हेतु 10 अंक तथा कुल 120 अंक निर्धारित हैं।

अन्तिम पाठ : कुल 4 अन्तिम पाठ (प्रत्येक विषय, भाषा, गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान/सामाजिक अध्ययन से एक पाठ)

प्रत्येक पाठ हेतु 20 अंक निर्धारित है। इस प्रकार अन्तिम पाठ हेतु कुल 80 (20×4) अंक निर्धारित हैं। सभी अन्तिम पाठ/चर्चा पाठ केवल पर्यवेक्षक द्वारा मूल्यांकित किए जायेंगे।

एक परामर्शदाता अपने कार्य स्थल पर कार्यरत सभी विद्यार्थी शिक्षकों का निरीक्षण करेगा एवं एक पर्यवेक्षक अपने आस–पास कार्यरत केवल 10 परामर्शदाताओं का निरीक्षण करेगा। विद्यार्थी शिक्षकों एवं परामर्शदाताओं तथा परामर्शदाताओं एवं पर्यवेक्षकों में सामान्य तौर पर अनुपात निम्न प्रकार होगा–

5 प्रशिक्षु : 1 परामर्शदाता

10 परामर्शदाता : 1 पर्यवेक्षक

प्रशिक्षु निम्नलिखित मूल्यांकन मापदंडों के अनुसार मूल्यांकित किया जाएगाः–

- पाठ योजना
- विषय संबंधी दक्षता
- अध्यापक निर्देशन
- पाठ एवं उसके प्रबंधन में विद्यार्थियों की सहभागिता
- विद्यार्थियों का मूल्यांकन

ग्रेडिंग/अंकन एवं प्रमाणीकरण

ऊपर वर्णित पाठ्यचर्या के विभिन्न घटकों पर अभ्यथियों द्वारा प्राप्त अंकों को 5 बिन्दु वाले ग्रेडों को निम्नलिखित संरचना में बदला जायेगाः

अंकों की सीमा (प्रतिशत में)	ग्रेड
85–100	A
70–84	B
55–69	C
40–54	D
40 से नीचे	E

अभ्यर्थी ने कार्यशाला आधारित गतिविधियों पर एक बार जो अंक प्राप्त कर लिया वहीं अंतिम माना जायेगा जहाँ अर्हता प्राप्त करने के लिए 50% अंक निर्धारित है। पाठ्यक्रमों के संबंध में D ग्रेड (40%) को सफलता का ग्रेड स्तर के रूप में माना जायेगा। वे जो ग्रेड D से कम प्राप्त करते हैं वे 18 महीनों की समयावधि में D ग्रेड तक पहुँचने के लिए पुनः भाग ले सकते हैं। या क्रमशः 3 परीक्षायें जो प्रत्येक वर्ष मई एवं नवम्बर में होती हैं, में भाग ले सकते हैं। वे जो अपना ग्रेड सुधारने के इच्छुक हैं उन्हें भी NIOS के नियमों के अनुसार परीक्षा शुल्क जमा कर ऐसा करने की अनुमति दे दी जायेगी। एक अभ्यर्थी से दोनों परीक्षाओं (पाठ्यक्रम आधारित दत्तकार्य के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक) में न्यूनतम D ग्रेड (40%) प्राप्त करना अपेक्षित होगा तथा प्रमाणपत्र करने हेतु योग्य होने के लिए प्रयोगात्मक में 50% और संपूर्ण में 45% प्राप्त करना अपेक्षित होगा।

प्रारंभिक शिक्षकों के लिए 6 महीने के व्यावसायिक विकास कार्यक्रम के पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन योजनाः

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	बाह्य पूर्णांक	सफल होने के लिए अंक	दत्त कार्य के पूर्णांक	सफल होने के लिए अंक	संपूर्ण अंक
521	प्रारंभिक शिक्षाः संदर्भ, चुनौतियाँ एवं सरोकार	75	30	25	10	100
522	प्रारंभिक विद्यालयी बच्चे को समझना	75	30	25	10	100
523	पाठ्यचर्या एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया	75	30	25	10	100
524	प्रारंभिक विद्यालयी विषयों का शिक्षा शास्त्र	75	30	25	10	100
संपूर्ण अंक (सैद्धान्तिक)		300	120	100	40	400
	प्रयोगात्मक गतिविधियाँ					
525	विद्यालय आधारित गतिविधियाँ (SBA)			100	50	400
526	कार्यशाला आधारित गतिविधियाँ (WBA)			100	50	
527	शिक्षण अभ्यास (PT)			200	100	
	पूर्णांक			400	200	
पूर्णांक		—	—	—	—	**800**
				संपूर्ण 45%	—	**360**

ध्यान दें : व्यक्तिगत बाह्य सैद्धान्तिक परीक्षा के लिए स्वीकृत समय है 75 अंकों लिए 3 घंटे।

मूल्यांकन एवं प्रमाणीकरणः 6 महीने का PDPET कार्यक्रम करने वाले शिक्षकों का मूल्यांकन NIOS द्वारा होगा और तद्नुसार प्रमाणपत्र जारी होगा।